

विषयानुक्रमः

आमुखम्	प्रो. राधावल्लभत्रिपाठी	(v)
आशासनम्	प्रो. एन. एस. रामानुजताताचार्यः	(vii)
प्रास्ताविकम्	बे. ना. श्रीकृष्णः	(ix)
शुभाशंसनम्	डा. वि. वासुदेवन्	(xi)
भूमिका		(xxiii)

प्रत्यक्षपरिच्छेदः (१)

1. मङ्गलश्लोकाः	1
2. बालोऽपीतिश्लोकार्थः	1
3. व्याख्यानप्रकाराणि	2
4. मङ्गलवादः	3
5. मङ्गलस्य कर्तव्यत्वे प्रमाणम्	4
6. न्यायशास्त्रस्य प्रयोजनम्	5
7. तत्त्वज्ञानस्य मोक्षहेतुत्वनिर्वाहः	5
8. पदार्थोद्देशः	6
9. त्रिविधा शास्त्रप्रवृत्तिः	7
10. उद्देशनिरूपणम्	7
11. तत्रैव पक्षान्तरनिरसनम्	7
12. लक्षणलक्षणम्	8
13. परिक्षालक्षणम्	9
14. प्रमाणलक्षणम्	9
15. लक्ष्यतावच्छेदकस्य लक्षणत्वासंभवः	10
16. प्रमाकरणशब्दार्थः	11
17. प्रमात्वं दुर्वचमिति पूर्वपक्षः	11
18. प्रमात्वनिरूपणम्	11

19. गौरीकान्तमतखण्डनम्	12
20. स्मृतावतिव्याप्त्यभावः	12
21. अनुभवत्वजातिसिद्धिः	13
22. गौरीकान्ताभिमतकारण-लक्षणम्	13
23. तत्खण्डनम्	14
24. गोवर्धनबलभद्रमतम्	14
25. कारणलक्षणम्	14
26. अन्यथासिद्धिनिरूपणम्	15
27. कार्यकारणव्यावस्था	16
28. गौरीकान्ताभिप्रायः	16
29. बलभद्रादीनां मतम्	17
30. कार्यानुकृतेति पङ्क्त्यर्थः	17
31. तत्रैव व्याख्याभेदाः	17
32. गौरीकान्तव्याख्या	18
33. तत्खण्डनम्	19
34. गोवर्धनव्याख्या	19
35. तन्निरसनं, गौरकान्त-खण्डनं च.	19
36. वास्तविकोऽर्थः	20
37. समवायिकारणलक्षणम्	20
38. गौरीकान्तव्याख्याखण्डनम्	21
39. अयुतसिद्धिनिरूपणम्	21
40. गौरीकान्ताभिमतसमवायलक्षणम्	22
41. तत्खण्डनम्	22
42. पक्षान्तरखण्डनम्	23
43. समवायसिद्धिः	23
44. विनश्यतालक्षणम्	23
45. समवायिकारणोदाहरणानि	24
46. घटोत्पत्तिकालएवरूपोत्पत्तिरिति पक्षः	24
47. गुणगुणिनोः समानकालोत्पत्त्यसंभवः	25

48. तत्रैव व्याख्यानतरम्	25
49. कारणभेदस्य कार्यभेदापादकत्वम्	26
50. आद्यक्षणे घटस्याप्रत्यक्षता	26
51. ध्वंसप्रागभावविषये प्राचीनमतनिराकरणम्	27
52. आद्यक्षणे द्रव्यत्वोपपत्तिः	28
53. निर्गुणोत्पत्तिपक्षोपसंहारः	28
54. असमवायिकारणलक्षणम्	28
55. लक्षणे विचारः	29
56. निमित्तकारणनिरूपणम्	30
57. कारणप्रकरणोपसंहारः	31
58. भट्टाभिमतं प्रमाणलक्षणम्	31
59. गौरीकान्तमतखण्डनम्	31
60. भट्टमतखण्डनम्	32
61. प्रकृष्टकारणस्य करणत्वम्	33
62. प्रमाणानां क्रमिकोद्देशः	33
63. प्रत्यक्षनिरूपणम्	33
64. साक्षात्कारत्वनिरूपणम्	34
65. निर्विकल्पकनिरूपणम्	35
66. आत्ममनोयोगादेः कारणत्वम्	35
67. निर्विकल्पके गौरीकाण्ठमतखण्डनम्	35
68. सविकल्पकनिरूपणम्	36
69. अलौकिकसंनिकर्षाः	36
70. संयोगः संयुक्त समवायश्च संनिकर्षः	37
71. परिमाणग्रहनिरूपणम्	38
72. संयुक्तसमवेतसमवायः	38
73. समवायः समवेतसमवायश्च	38
74. षष्ठः संनिकर्षः	39
75. सविकल्पकाप्रमाणवादिनां पूर्वपक्षः	39
76. तत्खण्डनम्	39

७७. व्याख्यानतरेऽस्वारस्यम्

अनुमानपरिच्छेदः (२)

1. लिङ्गपरामर्शोऽनुमान मितिनिरूपणम्	40
2. ज्ञायमानं लिङ्गं न कारणम्	43
3. अनुमितिलक्षणम्	43
4. लिङ्गज्ञाननिरूपणम्	44
5. व्याप्तिनिरूपणम्	44
6. भूयोदर्शनस्य व्याप्त्यग्राहकत्वम्	45
7. गौरीकान्ताभिप्रायः	45
8. गोवर्धनप्रभृतीनां मतम्	46
9. व्याप्तिग्राहकनिरूपणम्	46
10. गौरीकान्तमतखण्डनम्	47
11. परामर्शस्योपयोगः	47
12. नानुपलब्धेऽर्थे इति पङ्क्त्यर्थः	48
13. परामर्शव्याप्तिज्ञानधर्मता- ज्ञानानां कारणत्वम्	48
14. अनुमानद्वैविध्यम्	49
15. पञ्चावयवाः	49
16. लिङ्गत्रैविध्यम्	49
17. व्याप्तिद्वय प्रकारः	50
18. केवलव्यतिरेकिनिरूपणम्	50
19. गौरीकान्तमतखण्डनम्	51
20. केवलान्वयिनिरूपणम्	52
21. मतभेदाः	52
22. अनुमानस्य पञ्चरूपाणि	52
23. पक्षनिरूपणम्	52
24. आश्रयासिद्धिनिरूपणम्	53
25. स्वरूपासिद्धिनिरूपणम्	54
26. उपाधिनिरूपणम्	54
	55

27. विरुद्धनिरूपणम्	56
---------------------	----

उपमानपरिच्छेदः (३)

1. उपमाननिरूपणम्	58
2. गौरीकान्तव्याख्याखण्डनम्	58
3. प्रमाणान्तरत्वसाधनम्	58

शब्दपरिच्छेदः (४)

1. शब्दलक्षणम्	61
2. यद्वा-कल्पः	61
3. गौरीकान्त पक्षः	61
4. दलप्रयोजनम्	62
5. अतिव्यादयादिनिरासः	62
6. कश्चित् पक्षः	62
7. तत्खण्डनम्	62
8. आकाङ्क्षा निरूपणम्	63
9. योग्यतासत्तिनिरूपणम्	63
10. पदनिरूपणम्	64
11. क्रमेण नष्टानां वर्णानां श्रोत्रेणप्रत्यासत्तिः कथमिति निरूपणम्	64
12. यद्वा - कल्पः	64
13. कश्चित्तु कल्पः	65
14. स्व पक्षः	65
15. कल्पान्तरम्	65
16. पण्डितमन्य पक्षः	66
17. उपसंहारः	66

प्रमाणचतुष्टयनिरूपणम् (५)

1. अर्थापत्तेः प्रमाणान्तरतावादिनां पूर्वपक्षः	67
2. पीनत्वान्यथानुपपत्तिनिरूपणम्	67
3. तत्रैव मतभेदाः	67
4. वस्तुतस्तु पक्षः	68

5. अर्थापत्तेः प्रमाणान्तरता खण्डनम्
6. अभावानां विशेषणतासंबन्धोमास्त्विति पूर्वपक्षः
7. तत्खण्डनम्
8. इन्द्रियाणामभावग्रहहेतुत्वनिरूपणम्
9. विशेषणता न प्रत्यासत्तिः इति पूर्वपक्षः
10. पूर्वपक्षकल्यान्तरप्रदर्शनम्
11. विशेषणतास्वरूपम्
12. विशेषणतायाः संबन्धत्वम्
13. गौरीकान्तमतखण्डनम्
14. विशेषणताभावसंबन्धः इति सिद्धान्तः
15. संभवैतिह्वयोः प्रमाणान्तर-खण्डनम्

प्रामाण्यवादः

1. प्रामाण्यवादप्रारम्भः
2. गुरुमतं, मुरारिमिश्रयतं च
3. भाट्टमतम्
4. न्यायमतखण्डनम्
5. भाट्टमतखण्डनम्
6. ज्ञातताकश्चित् पक्षखण्डनम्
7. ज्ञातताखण्डनम्
8. स्वमतनिरूपणम्
9. प्रामाण्यग्राहकप्रकारः
10. तत्रैव पक्षान्तरखण्डनम्
11. प्रमाणनिरूपणोपसंहारः

प्रमेयपरिच्छेदः (५)

1. आत्मलक्षणम्
2. आत्मत्वजातिसिद्धिः
3. देहातिरिक्तात्मसाधनम्
4. आत्मस्वरूपनिरूपणम्

75

75

76

76

5. बुद्ध्यादीनां गुणत्वसाधनम्	77
6. तत्र केषांचित् पक्षस्य खण्डनम्	77
7. परिशेषानुमानप्रदर्शनम्	77
8. तत्र पक्षान्तरखण्डनम्	78
9. अनुमानप्रकारः	78
10. विभुत्वनिरूपणम्	79
11. शरीरनिरूपणम्	79
12. शरीरलक्षणदलप्रयोजनम्	79
13. शरीरलक्षणान्तरम्	80
14. इन्द्रियनिरूपणम्	80
15. मतभेदेन दलप्रयोजन प्रदर्शनम्	80
16. स्वाभिमतः पक्षः	81
17. दीधितिकृतपक्षः	81
18. शरीरमनोयोगस्य ज्ञान-हेतुत्वस्थापनम्	81
19. त्वङ्मनःसंयोगस्य हेतुत्वम्	82
20. इन्द्रियविभागः, तत्रघ्राण-निरूपणम्	83
21. घ्राणेन्द्रिय स्थान निरूपणम्	83
22. रसनेन्द्रिय साधकलक्षणम्	84
23. चक्षुरिन्द्रियसाधकलक्षणम्	85
24. तस्य तैजसत्वसिद्धिः	85
25. त्वगिन्द्रियसाधकलक्षणम्	86
26. श्रोत्रेन्द्रिय साधाकलक्षणम्	86
27. न्यायपदार्थानां वैशेषिकेऽन्तर्भावः	86
28. द्रव्यलक्षणम्	86
29. द्रव्यविभागः	87
30. पृथिवीनिरूपणम्	88
31. पार्थिवशरीरनिरूपणम्	88
32. अपां निरूपणम्	88
33. तेजोनिरूपणम्	89

34. सुवर्णस्य तैजसत्वम्	89
35. वायुनिरूपणम्	90
36. वायोरप्रत्यक्षतावादः	90
37. द्व्यणुकाद्युत्पत्तिनिरूपणम्	91
38. तेषां नाशक्रमः	92
39. तत्र कार्यकारणभावः	92
40. तत्र विचारः	92
41. परमाणुसाधनम्	93
42. तन्नित्यत्वसाधनम्	93
43. आकाशनिरूपणम्	94
44. आकाशस्य विधुत्व निरूपणम्	95
45. कालनिरूपणम्	95
46. दिङ्निरूपणम्	95
47. आत्मनिरूपणम्	96
48. मनोनिरूपणम्	96
49. गुणनिरूपणम्	96
50. रूपलक्षणम्	96
51. रूपभेदाः	97
52. चित्ररूपनिरूपणम्	97
53. रूद्रभट्टाचार्यमतखण्डनम्	97
54. रसनिरूपणम्	98
55. गन्धनिरूपणम्	98
56. चित्रगन्धमानाभावः	98
57. स्पर्शनिरूपणम्	98
58. स्पर्शभेदाः	98
59. संख्यानिरूपणम्	99
60. परिमाणनिरूपणम्	100
61. द्व्यणुकपरिमाणनिरूपणम्	100
62. त्र्यणुकपरिमाणनिरूपणम्	101

63. पृथक्त्वनिरूपणम्	101
64. संयोगनिरूपणम्	101
65. विभागनिरूपणम्	102
66. विभागजविभागनिरूपणम्	102
67. परत्वापरत्वनिरूपणम्	103
68. गुरुत्वनिरूपणम्	103
69. गुरुत्वेमानाभावः	104
70. द्रवत्वनिरूपणम्	104
71. स्नेहनिरूपणम्	105
72. शब्दनिरूपणम्	105
73. शब्दस्यद्विक्षणावस्थायित्वम्	105
74. तत्रैवमतभेदाः	106
75. गोवर्धनमतम्	107
76. गौरीकान्तमतम्	107
77. मतभेदेन शब्दनाशनिरूपणम्	107
78. योगिसिद्धिः	108
79. सामान्यादीनांसाधर्म्यम्	108
80. ज्ञानलक्षणम्	108
81. सुखनिरूपणम्	109
82. दुःखनिरूपणम्	109
83. इच्छाद्वेषप्रयत्न निरूपणम्	109
84. धर्माधर्म निरूपणम्	109
85. संस्कारनिरूपणम्	109
86. सामान्यनिरूपणम्	110
87. विशेषनिरूपणम्	111
88. अभावनिरूपणम्	111
89. बुद्धिनिरूपणम्	112
90. प्रवृत्तिनिरूपणम्	112
91. दोषनिरूपणम्	113

92. प्रेत्यभावनिरूपणम्	113
93. फलदुःखयोःनिरूपणम्	113
94. अपवर्गनिरूपणम्	113
95. संशयनिरूपणम्	114
96. दृष्टान्तनिरूपणम्	114
97. सिद्धान्तनिरूपणम्	114
98. अवयवनिरूपणम्	116
99. तर्कनिरूपणम्	117
100. निर्णयनिरूपणम्	117
101. वादजल्पवितण्डानिरूपणम्	117
102. छलनिरूपणम्	118
103. जातिनिरूपणम्	118
104. निग्रहस्थाननिरूपणम्	119
105. ग्रन्थोपसंहारः	122
परिशिष्टम्	125